

खबर संक्षेप

दूध से बने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ निरंतर कार्रवाई जारी

सागर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्य प्रदेश द्वारा प्रदेश में दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम हेतु सख्त कार्रवाई कराने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के फलस्वरूप सागर जिले में कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देशन एवं डॉ. देवेश पट्टेरिया के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों एवं राजस्व अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा मिलावटखोरों पर नकेल कसने हेतु लगातार कार्रवाई जारी है। इसी तारतम्य में आज देवरी एवं राहतगढ़ क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की गई। जांच दल द्वारा देवरी में कार्रवाई करते हुए प्रमुख दुकानों से नमूने लिए गए, गणेश स्वीट्स से: पेड़ा, पिस्ता बर्फी, कलाकंद, पनीर के नमूने, बीकानेर स्वीट्स से: पेड़ा, पिस्ता बर्फी, कलाकंद, पनीर के नमूने, विनोद किराना से: घी के नमूने लिए। इसी प्रकार राहतगढ़ में नायब तहसीलदार श्री राज शुक्ला के कुशल नेतृत्व में बस स्टैंड राहतगढ़ स्थित 'महावीर पान सेंटर' से पनीर और दूध का नमूना एकत्र किया गया।

कल्याण संयोजक आज करेंगे मालथौन का भ्रमण

सागर। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सागर ने जानकारी दी है कि जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कल्याण संयोजक रिसालदार मेजर (मानद लेफ्टिनेंट) बिनोद कुमार दीक्षित (सेवानिवृत्त) 30 जुलाई 2026 को मालथौन तहसील का भ्रमण करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे 30 जुलाई को प्रातः 12:30 बजे तहसील कार्यालय मालथौन में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों (विधवाओं) तथा उनके आश्रितों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं कल्याण संबंधी विषयों पर चर्चा करेंगे तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने मालथौन तहसील क्षेत्र में निवासरत सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों से निर्धारित तिथि एवं समय पर तहसील कार्यालय मालथौन में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

सिटी फॉरेस्ट में किया वृहद पौधारोपण



सागर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 'उल्लास' एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सोमवार को सिटी फॉरेस्ट में माला न्यायपालिका और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एम.के. शर्मा, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय अखिलेश कुमार मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा ससल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंकित श्रीवास्तव, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिव्या भलावी, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजपूत सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, न्यायालयीन कर्मचारी एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान आम, जामुन, बरगद, नीम, पीपल, अशोक, कदम और इमली सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एम.के. शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक को पौधे लगाने के साथ उनके संरक्षण को प्रतिपादित करना चाहिए। दक्षिण वन मंडलाधिकारी वरुण यादव ने अधिक से अधिक पौधारोपण कर पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

गुरु दक्ष प्रजापति जयंती पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति: मंत्री गोविंद राजपूत

हरिभूमि न्यूज | सागर

राहतगढ़ के मधुबन मैरिज गार्डन में आयोजित समारोह में प्रजापति समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान, केंद्र व प्रदेश सरकार की शिक्षा नीतियों और सुरखी में डिजिटल शिक्षा पहल की सराहना करते हुए मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने राहतगढ़ स्थित मधुबन मैरिज गार्डन में आयोजित दक्ष प्रजापति जयंती एवं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रजापति समाज के उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान केवल विद्यार्थियों का सम्मान नहीं, बल्कि पूरे समाज के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान है। शिक्षा ही वह शक्ति है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का भविष्य बदलने का सामर्थ्य रखती है।

मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन किए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.-2020) के माध्यम से इंमानदारी और शिक्षा के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने माता-पिता एवं गुरुओं का सम्मान करने तथा जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों के लिए यह पुरस्कार केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि आगे और अधिक



मेहनत करने की प्रेरणा है। वहीं जो विद्यार्थी इस बार सम्मानित नहीं हो सके, वे निराश न हों बल्कि इसे प्रेरणा मानकर अगले वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। सफलता निरंतर परिश्रम और अनुशासन से ही प्राप्त होती है।

मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन किए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.-2020) के माध्यम से इंमानदारी और शिक्षा के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने माता-पिता एवं गुरुओं का सम्मान करने तथा जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया।

को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, आधुनिक प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास, स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी और तकनीकी शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। केंद्र सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनाना है। मंत्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्यालयों के आधुनिकीकरण, छात्रवृत्ति योजनाओं, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि आर्थिक स्थिति किसी भी विद्यार्थी की शिक्षा में बाधा न बने और प्रत्येक बेटा-बेटी को आगे बढ़ने का समान अवसर मिले।



गुरु ज्ञान का दीपक दिखाता है : मनोज तिवारी

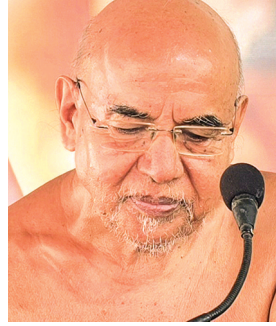
गढ़ाकोटा। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गढ़ाकोटा में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा एवं महर्षि सांदीपनी गुरु पर्व का गरिमापूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की मनोहारी प्रस्तुति दी गई, जिससे कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं प्रेरणादायी बन गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मनोज तिवारी, विशिष्ट अतिथि के रूप में पी. एल. पटेल, आर. आर. रावत एवं बसंत यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.घनश्याम भारती ने की। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी श्रीमती शिम्पी मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों का शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। अपने उद्बोधन में मनोज तिवारी ने कहा कि गुरु ज्ञान का दीपक दिखाता है तथा व्यक्ति के जीवन का वास्तविक पथप्रदर्शक होता है। गुरु के मार्गदर्शन से ही ज्ञान, संस्कार एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है तथा शिक्षकों का समाज निर्माण में अमूल्य योगदान है।

गुरु ही मोक्षमार्ग के पथप्रदर्शक, उनके ज्ञान को न नापा जा सकता है और न तौला जा सकता है: मुनिश्री

हरिभूमि न्यूज | सागर

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भाग्योदय तीर्थ में आयोजित सिद्ध धर्मक्रम महामंडल विधान के दौरान निर्यापक मुनि श्री अभय सागर महाराज ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यदि प्रभु और गुरु दोनों सामने हों तो सबसे पहले गुरु के चरणों में वंदन करना चाहिए, क्योंकि गुरु ही प्रभु तत्क पहुंचने का मार्ग बताते हैं।

उन्होंने कहा कि गुरु केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन को मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करने वाली साधना का भी मार्ग प्रशस्त करते हैं। मुनिश्री ने आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज एवं आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के गुरु-शिष्य संबंध का स्मरण करते हुए कहा कि आचार्य ज्ञानसागर महाराज ने विद्याधर को दीक्षा देकर मुनित्व प्रदान किया, उन्हें आचार्य पद के



योग समझकर आचार्य पद से विभूषित किया तथा संलेखना और समाधि अर्पण की संपूर्ण विधि भी सिखाई। अपने अंतिम समय में स्वयं नीचे बैठकर आचार्य विद्या सागर महाराज के चरणों में बार-बार नमस्कार करते हुए समाधि करने की इच्छा व्यक्त की। यह गुरु-शिष्य परंपरा का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसी मंदिर पर कलश स्थापित होने के बाद ही वह पूर्ण माना जाता है,

उसी प्रकार योग्य शिष्य को आचार्य पद प्रदान कर गुरु अनुरूप रंपरा को पूर्णता प्रदान करते हैं। मुनिश्री ने कहा कि जैसे विद्युत आपूर्ति का केंद्र पूरे क्षेत्र में ऊर्जा का विवरण करता है, उसी प्रकार आचार्य श्री विद्या सागर महाराज ने अपने विशाल गुरुकुल के माध्यम से धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। उनके शिष्यों ने देशभर में धर्मध्वजा को ऊंचाईयों तक पहुंचाया। वर्षायोग के प्रथम दिवस वर्षा का प्रारंभ होना भी शुभ संकेत है।

उन्होंने बताया कि चातुर्मास का वर्षायोग 105 दिनों का होता है। प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा कि ज्ञानी जब ज्ञानी से मिलता है तो ज्ञान का आदान-प्रदान होता है, जबकि अज्ञान का संग लाभदायक नहीं होता। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से सदैव सद्गुरु और सज्जनों की संगति अपनाने का आह्वान किया।



गढ़ाकोटा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हत्या के प्रयास का फरार आरोपी गिरफ्तार

गढ़ाकोटा। सागर जिले की गढ़ाकोटा थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, विवेकानंद वार्ड गढ़ाकोटा निवासी हल्ले पेटैल ने थाना गढ़ाकोटा को शिकायत दर्ज कराई थी कि पुरानी रंजिश के चलते भरत पटेल ने जान से मारने की नीयत से उसके पेट में चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले में थाना गढ़ाकोटा में अपराध क्रमांक 541/2026 दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी रहली के मार्गदर्शन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। लगातार तलाश और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने 28 जुलाई को भरत पिता नन्हेंभाई पटेल (25 वर्ष), निवासी ग्राम महिद्या खुर्द, गढ़ाकोटा को गिरफ्तार कर लिया। पृष्ठभूमि के दौरान आरोपी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर विधिवत जब्त किया गया। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते फरियादी पर जानलेवा हमला किया था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव सिंह तिवारी, उपनिरीक्षक राजाराम धुवें, प्रधान प्रमोद सोयाम, थिरवम एवं राजदीप तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 मुहिम विधि विभाग पहुंची विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विधि विभाग में जन - जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश शासन एवं सागर पुलिस द्वारा संचालित जन-जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का समन्वयन आतिभा विजया सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएसपी हेमंत कुमार तथा विशिष्ट अतिथि पुलिस निरीक्षक अफरोज खान रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, उसके सामाजिक, मानसिक एवं कानूनी परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावशाली मंच संचालन नवनीत यादव द्वारा किया गया। वहीं आदर्श साहू द्वारा नशामुक्ति पर तैयार की गई एक जागरूकता रील का प्रदर्शन किया गया, जिसकी डीएसपी हेमंत कुमार ने विशेष सराहना करते हुए इसे युवाओं को प्रेरित करने वाला प्रभावी प्रयास बताया। विद्यार्थियों को सागर से शबनम ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम में विधि विभाग के सभी छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को नशा न करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।



सिविल अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 500 से अधिक मरीजों को मिला विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

गढ़ाकोटा। सागर जिले के गढ़ाकोटा में बुधवार को आयोजित निःशुल्क हृदय, महिला एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के प्रति लोगों का उत्साह देखने को मिला। स्थानीय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री गोपाल भागव के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 500 से अधिक मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया, जिनमें करीब 100 हृदय रोगी शामिल रहे। औषधि एवं दवा विक्रेता संघ, गढ़ाकोटा के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर की खास बात यह रही कि क्षेत्रवासियों को अपने नगर में ही जीवांता हेल्थकेयर सेंटर, जबलपुर के वरिष्ठ हृदय रोग एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों की सेवाएँ उपलब्ध हूँ। शिविर के मुख्य अतिथि वैदिका फाउंडेशन के संस्थापक अभिषेक भागव रहे। इस अवसर पर सागर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेश पट्टेरिया तथा ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुश्रा सिंघई विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस पहल को ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों तक विरोध रोग विशेषज्ञ सेवाएँ पहुंचाने की दिशा में सराहनीय प्रयास बताया। शिविर में जीवांता हेल्थकेयर सेंटर, जबलपुर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. के. एल. उमामहेश्वर एवं डॉ. अनिमेष गुप्ता तथा वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना ठाकुर ने मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया। वहीं गढ़ाकोटा सिविल अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शेफाली असाठी ने भी शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. के. एल. उमामहेश्वर ने जन्मजात हृदय रोग के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि अब इस बीमारी का सफल एवं आधुनिक उपचार जबलपुर में ही उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि उपचार के लिए मरीजों को दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से पात्र मरीजों का उपचार पूरी तरह निःशुल्क कराया जा सकता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है। डॉ. अनिमेष गुप्ता ने कहा कि हृदय रोगियों को अब उपचार के लिए भोपाल, नागपुर या अन्य महानगरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं है। आधुनिक सुविधाओं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता के कारण मरीजों को अपने क्षेत्र के नवदीक्षक बेहतर इलाज मिल रहा है, जिससे समय, धन और अनावश्यक परेशानी—तीनों की बचत हो रही है। वहीं वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना ठाकुर ने महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर विशेष जोर देते हुए सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन इस गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने महिलाओं एवं अभिभावकों से अपील की कि वे इस सुविधा का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर पात्र हितग्राहियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध है।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण और प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने पर जोर प्रयास नहीं हुए इसलिए कार्य लग रहा कठिन कलेक्टर ने दिया स्वच्छता क्रांति का मंत्र

हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ, स्वस्थ और प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के द्वारा जिले में एक नई पहल शुरू की जा रही है। अब गांवों में घर-घर से नियमित कचरा संग्रहण, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण तथा वैज्ञानिक तरीके से ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। इसी उद्देश्य से बुधवार को कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सरपंच, सचिव, जनपद सीईओ और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा कि वास्तविक स्वच्छ ग्राम वही है, जहां प्रत्येक घर से नियमित रूप से कचरा संग्रहित हो और हर परिवार गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग रखे। उन्होंने ग्राम पंचायतों से अपील की कि वे कचरा परिवहन की सुदृढ़ व्यवस्था विकसित करें, स्वच्छता शुल्क की व्यवस्था लागू करें तथा स्थानीय स्तर पर नवाचार अपनाकर गांवों को कचरा मुक्त बनाएं। उन्होंने कहा कि अभी तक इस दिशा में पर्याप्त प्रयास नहीं हुए हैं, इसलिए यह कार्य कठिन प्रतीत होता है, लेकिन यदि ग्राम पंचायतें नेतृत्व करें तो यह अभियान निश्चित रूप से सफल होगा। कलेक्टर श्रोत्रिय ने जिले की 13 ग्राम पंचायतों श्रीनगर, देवखा, चंद्रपुरा,



अस्तौन, सतगुवा, अनंतपुरा, लखेरी, जुड़ावन, मिनोरा, अचर्रा, माड़ुमर, गणेशगंज एवं कुवरपुरा द्वारा इस अभियान में आगे बढ़कर कार्य करने के संकल्प की सराहना करते हुए अन्य सभी ग्राम पंचायतों से भी इस जनआंदोलन का हिस्सा बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ग्रामीण स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने एवं ठोस तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। इससे घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण एवं

सुरक्षित निस्तारण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही प्लास्टिक अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण होगा, ग्राम पंचायतों की अतिरिक्त आय बढ़ेगी तथा महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत को निर्धारित समय पर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण सुनिश्चित करना होगा। प्रत्येक परिवार को गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि वैज्ञानिक तरीके से उसका निष्पादन किया जा सके। इसके साथ ही शत-प्रतिशत जनभागीदारी सुनिश्चित

करने के लिए नियमित जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे तथा स्वच्छता कर के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। गांवों में खुले में शौच एवं नालियों में कचरा फेंकने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्रोत्रिय ने सरपंचों एवं सचिवों से कहा कि वे गांवों के विजन प्लान में स्वच्छता को प्रमुख स्थान दें और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने मोहल्लों, चौपालों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जिन प्लास्टिक एवं अन्य ठोस अपशिष्टों को पुनर्चक्रण के लिए बेचा जा सकता है, उन्हें स्थानीय रीसाइकलर्स को विक्रय कर ग्राम पंचायतें अतिरिक्त आय अर्जित करें। इस पूरी प्रक्रिया में महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्रोत्रिय ने कहा कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था लागू होने से गांवों की गलियां, सड़कें और नालियां स्वच्छ रहेंगी, मच्छरों एवं दुर्गंध की समस्या कम होगी, खुले में कचरा फेंकने और जलाने की प्रवृत्ति समाप्त होगी तथा स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण होगा। वहीं गीले कचरे से तैयार होने वाली जैविक खाद प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देगी और पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक से ग्राम पंचायतों तथा स्व-सहायता समूहों की आय में भी वृद्धि होगी।

बम्हौरी कलां में लगातार हुई चोरियों से दहशत 15 दिन बाद भी 4 चोरियों का नहीं हुआ खुलासा, पूर्व मंत्री लोधी से लगाई गुहार



हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

पुलिस की निष्क्रियता की बजह से चोरो के लिये सॉफ्ट टारगेट बनते जा रहे जिले के बम्हौरी कलां थाना क्षेत्र में लगातार हुई चार बड़ी चोरी की घटनाओं का 15 दिन बीत जाने के बाद भी खुलासा नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि चोर खुलेआम वाराताओं को अंजाम देकर फरार हो गए, लेकिन अब तक पुलिस किसी भी आरोपी तक नहीं पहुंच सकी है। इससे क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बना गया है। बम्हौरी कलां के हरदीला मोहल्ला सहित गांव के करीब 60 से 70 ग्रामीणजन अपनी पीड़ा और नाराजगी को लेकर टीकमगढ़ पहुंचे और पूर्व मंत्री राहुल सिंह लोधी से मुलाकात कर मामले में हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री राहुल सिंह को बताया कि करीब 15 दिन पहले क्षेत्र में लगातार चार घरों में चोरी की घटनाएं हुई थीं। इन घटनाओं में चोर नगदी, सोने-चांदी के आभूषण सहित लाखों रुपये का सामान समेत ले गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू की, लेकिन दो सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो किसी आरोपी की गिरफ्तारी हो सकी और न ही चोरी गए सामान की बरामदगी हो पाई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही चोरियों और उनके खुलासे में हो रही देरी के कारण लोगों का पुलिस

पर भरोसा कमजोर पड़ रहा है। उनका आरोप है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जाती तो संभवतः आरोपियों तक पहुंचा जा सकता था। अब तथित यह है कि क्षेत्र के लोग रातभर जागकर अपने घरों और मोहल्लों की निगरानी करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने से अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पूर्व मंत्री राहुल सिंह लोधी ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्स्त किया कि वे संबंधित पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर मामले में शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और चोरी जैसी घटनाओं का जल्द खुलासा होना आवश्यक है, ताकि लोगों में सुरक्षा का विश्वास कायम रह सके। ग्रामीणों ने मांग की कि पुलिस चोरी की सभी घटनाओं का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करे, चोरी गया सामान बरामद करे तथा क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाकर अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने को मजबूर होंगे। फिलहाल, ग्रामीणों की इस सामूहिक पहल ने बम्हौरी कलां थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं और उनके खुलासे में हो रही देरी को लेकर लोगों की चिंता को एक बार फिर प्रमुखता से सामने ला दिया है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं का हुआ सम्मान मेधावी विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत



बड़ागांव घसमन। शासकीय सांदीपनि उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़ागांव में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं कु. रितु जैन, कु. अवनि जैन एवं कु. माही जैन द्वारा मौं सरस्वती की संस्कृत स्तुति प्रस्तुत कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों में मौं सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। विद्यालय परिवार द्वारा कार्यक्रम में पधारे हरचरण विश्वकर्मा, जगदीश अस्माटी, डॉ. कैलाश जैन गुना, श्यामसुंदर दीक्षित, सुनील रैकवार (मंडल अध्यक्ष) सहित सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्तुति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। विंबंध प्रतियोगिता में प्रमती गायक एवं संस्कृति जैन, भाषण प्रतियोगिता में हिंदी विषय में विशा जैन, अंग्रेजी में दीपति चौरसिया तथा संस्कृत में जयांशी जैन ने प्रथम

स्थान प्राप्त किया। वहीं संस्कृत श्लोक वाचन प्रतियोगिता में रितु जैन एवं सिद्धि पाठक को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का भी विशेष सम्मान किया गया। कक्षा 12वीं की छात्राएं कविता यादव, निशा यादव एवं सालिका यादव को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कक्षा 10वीं की आठ छात्राओं को भी 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने पर पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्यामसुंदर दीक्षित, बाबुलाल देसलिया, हरचरण विश्वकर्मा, सुनील रैकवार, स्वामी प्रसाद अस्माटी, डॉ. कैलाश जैन तथा विद्यालय के प्राचार्य रामनरेश सिंह राजपुत ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ही अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं तथा उन्हें जीवन में सफलता की सही दिशा प्रदान करते हैं।

जननी वाहन नहीं मिला, सड़क किनारे हुआ प्रसव, उठे सवाल



टीकमगढ़। जिले के स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाणी पर एक बार फिर घोर लापरवाही और संवेदनहीनता के सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। बड़ागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से रेफर की गई एक गर्भवती महिला ने कथित रूप से जननी वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण सड़क किनारे बच्चे को जन्म दिया। घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने परिजनों के आरोपों को खारिज करते हुए अपना पक्ष भी सामने रखा है। जानकारी के अनुसार, ककरवाहा निवासी गर्भवती महिला को मंगलवार देर रात प्रसव पीड़ा होने पर उसके परिजन बड़ागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। यहां इयूटी पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने जांच के दौरान महिला से खून की कमी एनीमिया का होना बताते हुए उसे कागजों में तो जिला अस्पताल टीकमगढ़ रेफर कर दिया। लेकिन शासन से मिलने वाली वाहन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई। परिजनों का आरोप है कि रेफर किए जाने के बाद भी उन्हें शासन की जननी वाहन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। उनका कहना है कि वे दूसरे प्राणों की व्यवस्था करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन इसी दौरान अस्पताल से

करीब एक किलोमीटर दूर सड़क किनारे झमली के पेड़ के नीचे महिला को प्रसव पीड़ा तेज हो गई और उसने खुले में ही बच्चे को जन्म दे दिया। परिजनों के अनुसार, रात का समय होने के कारण महिला और नवजात को चबूतरे पर ही रात बितानी पड़ी। बुधवार सुबह जब स्थानीय लोगों की नजर जच्चा-बच्चा पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना बड़ागांव स्वास्थ्य केंद्र को दी। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य केंद्र से दो स्टाफ नर्स टैक्सरी के माध्यम से मौके पर पहुंची और जच्चा-बच्चा को अस्पताल लाकर भर्ती कराया। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद दोनों की हालत सामान्य और स्वस्थ बताई गई। इस घटना के बाद स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित संस्थानगत प्रसव के लिए जननी वाहन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यदि समय पर वाहन मिल जाता तो महिला को सड़क किनारे प्रसव जैसी कठिन परिस्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। वहीं, इयूटी पर तैयार नर्सों ने परिजनों के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि महिला को खून की कमी के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया था, लेकिन परिजन बिना सूचना दिए उसके लेकर चले गए।

नागरिकों ने जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की उठाई मांग करोड़ों का फिल्टर प्लांट, फिर भी घरों में बदबूदार पानी, व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल



कलेक्टर के स्वच्छ पेयजल के निर्देशों के बावजूद कई वार्डों में गंदे पानी की सप्लाय

हरिभूमि न्यूज़ पलेरा

जिला कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा जिले की सभी नगर परिषदों को प्रत्येक घर तक स्वच्छ, सुरक्षित एवं फिल्टर किया हुआ पेयजल उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद नगर परिषद पलेरा में इन निर्देशों का अपेक्षित पालन होता नजर नहीं आ रहा है। नगर के कई वार्डों में नल-जल योजना के तहत लोगों के घरों तक बदबूदार और गंदा पानी पहुंचने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जिससे नागरिकों में नाराजगी और चिंता बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नलों से आने वाला पानी न केवल दुर्गंधयुक्त है, बल्कि इतना गंदा है कि उसका उपयोग घरेलू कार्यों में करना भी मुश्किल हो रहा है। नागरिकों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार नगर परिषद को शिकायतें दी गईं, वहीं कुछ लोगों ने गंदे पानी के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी साझा किए, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं किया गया। जानकारी के अनुसार, नगर के

संस्था नगर क्षेत्र में कुछ वर्ष पूर्व करोड़ों रुपये की लागत से आधुनिक जल फिल्टर प्लांट का निर्माण कराया गया था। इस परियोजना का उद्देश्य नगरवासियों को शुद्ध एवं फिल्टर किया हुआ पेयजल उपलब्ध कराना था। हालांकि स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि फिल्टर प्लांट का नियमित और प्रभावी संचालन नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि पानी को वैज्ञानिक तरीके से फिल्टर करने के बजाय केवल फिटकरी का घोल मिलाकर सीधे सप्लाय कर दी जाती है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं, तो करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित फिल्टर प्लांट की उपयोगिता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। नगरवासियों ने आशंका जताई है कि बरसात के मौसम में दूषित पेयजल के कारण डायरिया, टायफाइड, पोलियो और अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। उनका कहना है कि पेयजल जैसी

मूलभूत सुविधा में लापरवाही सीधे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जल फिल्टर प्लांट के संचालन की वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जाए, नियमित रूप से पेयजल की गुणवत्ता की जांच कराई जाए तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। अब नगरवासियों की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस गंभीर जनसमस्या का संज्ञान लेकर लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए क्या प्रभावी कदम उठाता है। वहीं, इस मामले में नगर परिषद का पक्ष सामने आना भी महत्वपूर्ण होगा, जिससे स्थिति का पूर्ण तथ्यात्मक आकलन किया जा सके।

कट्टा, छुरे की नोक पर घर में घुसकर महिला से लूट और मारपीट

नए पुलिस कप्तान को चुनौती देते हुये 24 घंटे में दूसरी लूट

हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

एक तरफ जिले में कुछ दिन पूर्व ही नए पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल की पदस्थापना हुई तो दूसरी ओर अपराधियों ने पुलिस व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुये 24 घंटे में ही दूसरी दुस्साहसिक लूट को अंजाम दे दिया। महज 24 घंटे के भीतर जिले में दूसरी दिनदहाड़े लूट की वारदात ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर अपराधियों में पुलिस का खौफ क्यों नहीं रह गया है। सोमवार को ही पॉन्ट्री व्यापारी से लूट के बाद मंगलवार को खरगापुर नगर में हथियारबंद बदमाशों ने एक महिला के घर में घुसकर कट्टा और छुरे की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दे डाला। लगातार हो रही घटनाओं से जिले में दहशत का माहौल है और आमजन खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। जानकारी के अनुसार जिले के खरगापुर नगर के पलेरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास रहने वाली रामव्यारी लोधी पत्नी प्यारे लाल लोधी जब घर पर अकेली थीं। इसी दौरान दो अज्ञात बदमाश घर में घुस आए।

बदमाशों ने महिला पर कट्टा और छुरा तानकर जान से मारने की धमकी दी। जब महिला ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गई। इसके बाद बदमाश उसके कानों से सोने के आभूषण और पैरों की पायल लूटकर मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस दुस्साहसिक वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में



हड़कंप मच गया। खरगापुर सहित आसपास के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने में लग गई। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और बदमाशों के भागने के संभावित रास्तों की जानकारी एकत्र की। कुछ देर बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा एवं एसडीओपी राहुल कटरे भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेकर अधिकारियों को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व मंत्री राहुल सिंह लोधी भी

मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर दंडास बंधाया और पुलिस अधिकारियों से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी तथा निष्पक्ष कार्रवाई

संदिग्ध बाईक सवारों पर टिकी पुलिस की निगाह

उक्त लूट मामले को लेकर सतिया रूप में तेजी से आगे बढ़ रहे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लूट कांड को लेकर संदिग्ध आरोपियों को एक बाईक पर जाते हुये सीसीटीवी में देखा गया है। जिसकी बिनाह पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उक्त लूट कांड के आरोपियों को पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में शीघ्र पकड़कर मामले का खुलासा करने के प्रयास किये जा रहे हैं।



बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा विश्व बाघ दिवस पर हुआ चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन



हरिभूमि न्यूज़ पलेरा

विश्व बाघ दिवस के अवसर पर बुधवार को वन विभाग द्वारा विद्यार्थियों में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता जिला वन मंडल अधिकारी के निर्देश के तहत जतारा के नवागत रंजर मुकेश अहिरवार के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बाघ, जंगल, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा वन्यजीव संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रकृति, वनों और वन्यजीवों के महत्व से जोड़ना तथा बाघ संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने

उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंगों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के महत्व को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और वे वन्यजीव संरक्षण के महत्व को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। साथ ही ऐसे आयोजन बच्चों को प्रकृति से जोड़ने और समाज में संरक्षण का संदेश फैलाने का प्रभावी माध्यम भी बनते हैं। वन विभाग ने सभी विद्यार्थियों और नागरिकों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षा को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझें तथा वनों और जैव विविधता के संरक्षण में सक्रिय सहयोग दें। विभाग का कहना है कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि पूरे वन परीस्थितिकी तंत्र के संतुलन का प्रतीक है और उसका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

युवा और जनमानस का हौसला बढ़ाने कलेक्टर-एसपी ने भी मिलाए कदम ताल

नशे के खिलाफ दौड़ा श्योपुर

जनमानस ने लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ श्योपुर

श्योपुर को नशा मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किए गए जन जागरूकता अभियान के तहत बुधवार की सुबह शहर की सड़कों पर जन मानस नशे के खिलाफ लामबंद होकर दौड़ा। नशे जैसी बुराई का जड़ से खान्ने के उद्देश्य से बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक ने इस दौड़ में सहभागिता की। दौड़ में शामिल हुए युवा और जनमानस का हौसला बढ़ाने के लिए कलेक्टर शीला दाहिमा और पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने भी युवाओं के साथ कदम ताल मिलाकर दौड़ लगाई। बाद में कलेक्टर ने सभी छात्र-छात्राओं, युवाओ, कर्मचारियों, अधिकारियों समाजसेवियों को नशे के समूल नाश में अपनी भागीदारी तय करने हेतु शपथ दिलाई।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत पीएमश्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्योपुर से गांधी पार्क गुलम्बर तक मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन उत्साहपूर्वक वातावरण में हुआ। नशे के विरुद्ध जागरूकता के संकल्प के साथ मिनी मैराथन में



कलेक्टर ने दिए विजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्ती पत्र

इसके साथ ही मिनी मैराथन दौड़ के लिए नशे के प्रति जागरूकता से संबंधित चयनित स्लोगन प्रतियोगियों को जिला प्रशासन श्योपुर की अमिनव पहल क्रियेटिव श्योपुर की ओर से प्रशस्ती पत्र भेंट किये गये। मिनी मैराथन से पूर्व नशामुक्ति के संबंध में स्लोगन की प्रविष्टिया आमंत्रित की गई थी, श्रेष्ठ 10 चयनित स्लोगन के लेखकों को क्रियेटिव श्योपुर की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किये गये, चयनित विजेताओं में छात्र रुद्र प्रताप सिंह एक्सीलेंस स्कूल श्योपुर, आशीष शाह एक्सीलेंस स्कूल श्योपुर, विनायक गौर एक्सीलेंस स्कूल श्योपुर, अनिकेत जाटव हाई स्कूल नयागांव, कार्तिक गौर एक्सीलेंस स्कूल श्योपुर, आशीष बैरवा मिडिल स्कूल मेखडाहेडी, अदीबा नाज एक्सीलेंस स्कूल श्योपुर, सुमित गुजर पीएम श्री स्कूल बुखारी, लवली राठौर हायर सैकेण्डरी स्कूल ओछापुरा, कशिश शर्मा हायर सैकेण्डरी स्कूल ओछापुरा शामिल रहें, जिन्हें कलेक्टर शीला दाहिमा ने प्रश्ती पत्र दिए।

कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान सहित अधिकारी, छात्र, जनप्रतिनिधि, खिलाडी, नागरिक सभी मिलकर दौड़े। आयोजित मिनी मैराथन दौड़ के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूक किया गया। कलेक्टर शीला दाहिमा

एवं पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा हरी झंडी दिखाकर मिनी मैराथन की न सिर्फ शुरुआत की गई बल्कि उन्होंने खुद दौड़ लगाकर धावकों का हौसला भी बढ़ाया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय,



कन्हैया बने जिले के श्रेष्ठ धावक

पुलिस विभाग के तत्वाधान में सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से आयोजित उक्त कार्यक्रम के अंत में मिनी मैराथन दौड़ के विजेताओं को जिला पुलिस की ओर से प्रशस्ती पत्र प्रदान किये गये जिसमें प्रथम स्थान पर रहे कन्हैया बंजारा, द्वितीय स्थान हासिल करने वाले आकाश गुर्जर एवं तीसरे नंबर पर दौड़ पूरी करने वाले विकास सेन को प्रशस्ती पत्र दिये गये। इस दौरान एसपी मोती उर रहमान ने कहा कि वैसे तो इस दौड़ में नंबर कोई मान्ये नहीं रखते हैं जो भी दौड़ा वो विजेता है हमारी और से वो सब बधाई के पात्र हैं जो इस बुराई को रोकने के किए दौड़े। लेकिन जिन्हें जीत का प्रमाण पत्र मिला है वो बधाई के इसलिए अधिक हकदार हैं कि उन्होंने इस दौड़ में दिलों जान लगाकर भागीदारी की।

एडिशनल एसपी प्रवीण भूरिया, एसडीएम गगन सिंह मौणा, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य एवं पवन घुरैया, एसडीओपी राजीव गुप्ता, उप संचालक सामाजिक न्याय शशिकिरण एक्का सहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, छात्र, खिलाडी, जनप्रतिनिधि, नागरिकगण उपस्थित रहें। मिनी मैराथन दौड़ का समापन गांधी पार्क पर

समारोहपूर्वक संपन्न हुआ, इस अवसर पर कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा उपस्थित सभी जन समुदाय को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति अन्य व्यक्तियों को जागरूक करते हुए नशामुक्ति अभियान में सहयोग की अपील की।

सीएमओ पर सीएम हेल्पलाइन पर झूठी जानकारी देने के आरोप

हरिभूमि न्यूज़ श्योपुर

विजयपुर सीएमओ राम प्रकाश जगनेरिया पर सीएम हेल्पलाइन में झूठी जानकारी देने का आरोप उस शिकायतकर्ता ने लगाया है जिसने नगर परिषद विजयपुर के सब इंजीनियर के दिव्यांगता प्रमाण पत्र को फर्जी बताते हुए शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की है। सीएम हेल्पलाइन शिकायत क्रमांक 39111164 पर नगर परिषद विजयपुर के सब इंजीनियर महेंद्र गर्ग के दिव्यांगता प्रमाण पत्र की वैधता और उसकी जांच की मांग

की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मंत्रालय सेल में भेजे गए जवाब में सीएमओ ने उल्लेख किया कि संबंधित दिव्यांगता प्रमाण पत्र जिला चिकित्सालय दतिया में मशीन से जांच के उपरंत जारी किया गया था। हालांकि शिकायतकर्ता ने इस दावे को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा है कि संबंधित दिव्यांगता प्रमाण पत्र वर्ष 2013 का है, जबकि उस समय जिला चिकित्सालय दतिया में श्रवण बाध्यता (ईएनटी) की जांच के लिए आवश्यक मशीन उपलब्ध ही नहीं थी। अब इस मामले में सच्चाई क्या

इनका कहना...

सीएम हेल्पलाइन पर जो शिकायत की गई है उसका जवाब नियम अनुसार और तथ्यों के आधार पर दिया गया है। हमने इस मामले में जो दस्तावेज उपलब्ध है उस आधार पर ही जवाब दिया है।

राम प्रकाश जगनेरिया
सीएमओ नगर परिषद विजयपुर

है यह तो बाद में तब पता चलेगी जब मामले की जांच होगी लेकिन इस विवाद में इंजिनियर के साथ साथ सीएमओ भी उलझते जरूर दिख रहे हैं।

मेडिकल स्टोर्स का किया निरीक्षण, लिए दवाओं के नमूने

श्योपुर। ड्रग इंस्पेक्टर मनीष कुशवाह द्वारा प्रेमसर एवं ननावद क्षेत्र के विष्णु मेडिकल, श्रीराम मेडिकल, राधेरानी मेडिकल स्टोर, कुमकुम मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया गया। इन मेडिकल स्टोर्स को औषधियों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड कार्यालय में प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान औषधि विक्रय अनुज्ञापि, शेड्यूल औषधियों के क्रय एवं विक्रय रिकॉर्ड, एक्स्पायरी ड्रग मेनेजमेंट, नशे के रूप में दुरुपयोग हो सकने वाली औषधियों एवं एनआरएक्स श्रेणी की दवाइयों के क्रय एवं विक्रय रिकॉर्ड की सघन जांच की गई। इसी दौरान दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दवाओं के नमूने, जांच विश्लेषण हेतु लिए गए। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के संबंध में शर्मा मेडिकल स्टोर एवं मुस्कान मेडिकल स्टोर को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

श्रद्धा और समर्पण भाव के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

कर्ता करे ना कर सके, पर गुरु किए सब होये

सात द्वीप नौ खंड में, मेरे गुरु से बड़ा ना कोए



हरिभूमि न्यूज़ श्योपुर

कर्ता करे ना कर सके, पर गुरु किए सब होये, सात द्वीप नौ खंड में, मेरे गुरु से बड़ा ना कोए। यह चैपाई बुधवार को तब चरितार्थ होती नजर आई, जब सभी गुरु धामों पर शिष्यों ने पहुंचकर गुरुओं की चरण वंदना की। गुरु पूर्णिमा जिलेभर में श्रद्धा एवं समर्पण के साथ मनाई गई। ऐचक आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय से करीब 23 किलोमीटर दूर मेवाड़ा गांव में देखने को मिला, जहां हजारों की संख्या में हिन्दू धर्मावलंबियों ने पीर बाबा की मजार पर पहुंचकर

अंचल में भी आस्था के साथ मनाया गुरुपूर्णिमा पर्व

शहर के अलावा, वीरपुर, बड़ौबा, कराहल, विजयपुर, सौंदरला, मानपुर और दोदर, में भी गुरुपूर्णिमा पर्व मनाया गया। अंचल में मौजूद देवरी धाम, गुरनावढ धूली, सिरनी हनुमान मंदिर, पठार हनुमान मंदिर, चंदपुरा, सौंदरला के ज्वालामुख स्थित काली माता मंदिर धमलोकी स्थित आश्रम सहित अन्य कई गुरुधामों पर भी बडी संख्या में शिष्य लोग पहुंचे,जहां गुरु पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान शिष्यों ने गुरुवरणों की वंदना करते हुए गुरु का आशीर्वाद लिया।

गुरुदक्षिणा के रूप में कूंडा चढ़ाकर पीर बाबा का आशीर्वाद लिया।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर ग्राम मेवाडा में एक अनूठी मिसाल देखने को मिलती है। दरअसल मेवाड़ा गांव में बनी पीर बाबा की दरगाह पर हर साल की गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गांव के हिन्दू परिवार के

लोग आस्था के साथ शामिल हुए। गांव के सभी परिवारों ने घरों से लड्डू-बाटी बनाकर दरगाह पर चढ़ाए। इस परंपरा को कूंडा चढ़ाना भी कहा जाता है। पूरा गांव पीरबाबा को अपना गुरु मानता है, इसलिए गुरुपूर्णिमा के अवसर पर पीरबाबा की दरगाह पर चादरपोशी की रस्म



यहां चरण वंदना के लिए पहुंचे शिष्य

शहर के जती घाट स्थित मधुवन आश्रम पर शहर सहित दूर-दूर से शिष्य चरण वंदना के लिए आते थे, यहां विशाल भण्डारा आयोजित किया गया। इस दौरान शिष्यों ने आश्रम पर पहुंचकर संत मधुवनदास महाराज के समाधि परिसर में पूजन का गुरुपूर्णिमा पर्व मनाया। उधर रामजानकी मंदिर पर महंत रामभरोसे महाराज के शिष्यों ने गुरु महाराज का पूजन किया। उधर पादरीवासी महाराज स्वामी अनिरुद्ध देव जी का आश्रम पर शिष्यों ने गुरु पूजन किया। गायत्री माता मंदिर पर भी गुरुपूजन और भंडारा कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें बडी संख्या में लोग प्रसादी पाने के लिए पहुंचे।

अदा की गई। इसके बाद घरों से चूर्मा-बाटी बनाकर लाए लोगों ने दरगाह पर कूंडा चढ़ाया। मान्यता यह भी है कि गांव की जिस लड़की शादी होती है वह शादी के बाद

दरगाह पर दर्शन करने आती है, इसके अलावा शादी कर गांव में आने वाली दुल्हन के सिर पर कूंडा रखे जाता है जिसके बाद ही वह गांव और घर में प्रवेश करती है।

गुरु पूर्णिमा पर विभिन्न स्कूलों में आयोजित हुए कार्यक्रम

विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ संस्कार भी मिले ऐसी व्यवस्था हो: शशांक

हरिभूमि न्यूज़ श्योपुर

बच्चों को पाश्चात्य संस्कृति की और भागने से रोकने और वह सनातनी संस्कृति को ग्रहण करने के लिए प्रेरित हों इसके लिए गुरुजनों (शिक्षकों) को प्रयास करने की जरूरत है। स्कूल में पढ़ाई के साथ साथ संस्कार भी मिले ऐसी शिक्षा व्यवस्था व्यवस्था की आज जरूरत है। यह बात भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण ने बुधवार को सांदीपनि स्कूल में गुरुपूर्णिमा के अवसर पर आयोजित गुरु सम्मान, मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधन देते हुए कही। इस दौरान नपाध्यक्ष रेणु सुजीत गुर्ग, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नीरज जाट, जिला शिक्षा अधिकारी यश जैन, प्रिंसिपल एके खंडेलवाल आदि उपस्थित रहे।

सच्चा गुरु वो ही जो शिष्यों की चिंता करे: गुरुजीत

उत्कृष्ट स्कूल श्योपुर में आयोजित हुए गुरु पूर्णिमा महोत्सव के तहत विभिन्न छात्र-छात्राओं के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सेवानिवृति प्राचार्य गुरुजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जिन्होंने शिक्षकों को नसीहत देते हुए कहा कि विद्यार्थी और शिक्षक का रिश्ता गुरु और शिष्य समान है, और अच्छा गुरु वही होता है जो शिष्यों की हमेशा चिंता करता रहे। सिर्फ गुरु बनकर खुद की महिमा का गुणगान न कराए। उन्होंने कहा कि अगर आपके शिष्य आपसे ऊंचे पद पर जाते हैं तो यह आपका ऐसा सम्मान है जिसके लिए आप खुद को गौरान्वित महसूस कर सकते हो। अगर आपके पढ़ाए बच्चे किसी उंचे पद पर नहीं पहुंचते हैं तो आप सम्मान के लायक है या नहीं इसका विश्लेषण भी आपको ही करना है। इस अवसर पर हर्नपाल सिंह जादौन तथा प्राचार्य जेपी जाटव भी विशेष रूप से मौजूद थे।



नैतिक शिक्षा पर विशेष

ध्यान दें शिक्षक: गर्ग

पी.एम.श्री शासकीय कन्या उच्च.माध्यमिक विद्यालय श्योपुर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों को किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र बीईओ एवं संकुल प्रिंसिपल एमएल गर्ग ने वितरण किया इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से कहा कि आज जो शिष्य आपके चरण छूकर आपका आशीर्वाद ले रहे हैं उन्हें कोरा आशीर्वाद ना दे उन्हें आशीर्वाद के रूप में नैतिक शिक्षा ग्रहण कराए जिससे वह अपने बड़ों का सम्मान करें और अच्छे राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी दें। इस दौरान

नरेन्द्र सिंह जाट रिटायर्ड प्राचार्य, अशोक महाना रिटायर्ड प्राचार्य , रामस्वरूप माहौर रिटायर्ड शिक्षक का श्रीफल शाल और माल्यापर्ण कर सम्मान किया गया। हरीश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में 362 छात्राओं की उपस्थिति में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का हुआ पुस्कार वितरण के साथ समापन पखवाड़े में सांदीपनि विद्यालय का भ्रमण निबंध प्रतियोगिता, श्लोक वाचन, भाषण प्रतियोगिता,योगा अभ्यास, कैरियर मार्गदर्शन स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधि और कार्यक्रम में कई छात्रों द्वारा गुरु परंपरा पर कार्यक्रम किए।

अवर्षा से बढ़ी किसानों की परेशानी, तीन दिन से बादलों का डेरा पर बारिश नहीं पड़ोसी जिले में बाढ़ जैसे हालात निर्मित श्योपुर में दिख रहा सूखा सा नजारा

हरिभूमि न्यूज़ श्योपुर

श्योपुर के सीमावर्ती जिले सवाई माधोपुर में बुधवार को झमाझम बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए। दिन में नदी नालो के उफ़न जाने से कुछ समय के लिए तो श्योपुर सवाई माधोपुर मार्ग बंद भी करना पड़ा यात्री बसों और अन्य वाहनों को राजस्थान पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से रोका। उधर श्योपुर में अवर्षा के चलते सूखे जैसे हालात निर्मित हो रहे हैं विगत तीन दिनों से आसमान पर बादल तो छाए हैं लेकिन बरस नहीं रहे हैं।

बीते तीन दिनों से श्योपुर के आसमान पर बादल डेरा जमाए बैठे हैं और दिन में तीन या चार बार मामूली फुहारे भी गिर जाती है जिससे लोगों को बारिश की उम्मीद होती है लेकिन फिर बाद में यह फुहारे बंद होकर उमर्मादों को तोड़ने का काम भी कर रही हैं।ज्ञात हो कि जुलाई माह श्योपुर जिले में बारिश का पीक सीजन माना जाता है और पूरा जुलाई माह बीत चुका है बारिश का नामों-निशान नहीं है जिससे खेती किसानों बुरी तरह प्रभावित हुई है खेती किसानों के साथ-साथ



दूसरे व्यवसाय में लगे लोग भी वर्षा नहीं होने से चिंतित है क्योंकि खेती किसानों बुरी तरह प्रभावित हुई है खेती किसानों के साथ-साथ

खरीदारी तब होगी जब अच्छी वर्षा के साथ बंपर फसल उत्पादन होगा और फिलहाल ऐसा होता दिख नहीं रहा है।

गरिमामई तरीके से मनाएं स्वतंत्रता दिवस: दाहिमा

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में निर्देश दिये कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर मुख्य समारोह का आयोजन वीर सावरकर स्टेडियम श्योपुर में होगा। जिला स्तरीय मुख्य समारोह के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, डीएफओ कुनो आर थिरुकुराल, सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एसडीएम गगन सिंह मौणा, कराहल बौधस श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर शीला दाहिमा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य समारोह के गरिमामयी आयोजन के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। नगरपालिका द्वारा आयोजन के तहत विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि शिक्षा विभाग द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य सह अतिथियों द्वारा बच्चों के साथ मध्यमह भोजन किये जाने के क्रम में स्कूल का किवांछना किया जाये एवं पौधरोपण की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। मुख्य समारोह के दौरान प्रस्तुत किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन के लिए एसडीएम की अध्यक्षता में समिति गठित की जायें। मुख्य समारोह से पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं परेड की रिहर्सल का सतत रूप से आयोजन किया जायें। कलेक्टर



शीला दाहिमा ने कहा कि शासन निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं में प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण होगा। प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया जायेगा तथा नगरीय निकारों, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में भी ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होंगे। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह के दौरान परेड दल की रिहर्सल 5 अगस्त से शुरू होगी। इसके साथ ही उन्होंने वीर सावरकर स्टेडियम में समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही वाहनों की पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जायें। कलेक्टर शीला दाहिमा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहर में तिरंगा यात्रा का आयोजन 13 अगस्त को सुबह 8 बजे नगरपालिका मवन गांधी पार्क से होगा। उन्होंने तिरंगा यात्रा आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

खबर संक्षेप

वाहन ने बाइक में टक्कर मारी
 अशोकनगर। जिले के सेहराई थाने के अंतर्गत हरिओम आदिवासी निवासी ग्राम खजुरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात वाहन चालक ने चंदेरी मुंगावली रोड पर द्वाराका ढाबा के पास अपने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाकर उसकी बाईक में टक्कर मार दी जिससे उसे चोटें आई हैं।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज
 अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सिटी कोतवाली अशोकनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत त्रिलोकपुरी कॉलोनी निवासी सिरदार सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी गोविंद ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खंवरसर निवासी दीपक अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बस कंडक्टर मामा रघुवंशी ने उसकी डंडे से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरखेडा जागीर निवासी राजेन्द्र नामदेव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सततज सिंह सिक्ख ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुमिया बाई अहिरवार निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी पप्पू और रूपाबाई अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के ईसागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत रूपनगर निवासी विनित ओझा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी महेश जाटव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत वनारक्षक बलवीर पटेल निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी अजय, गोल्ड बागड़ी व अन्य लोगों ने रास्ता रोककर उससे मारपीट की और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गौरा चक्क निवासी शोभाशराम अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सीताराम और आकाश अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

नाबालिग बालिका को मात्र 4 घंटे में सकुशल किया दस्तयाब



अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अति. पुलिस अधीक्षक अशोकनगर अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी अशोकनगर विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली द्वारा अपहृत नाबालिग बालिका को मात्र 4 घंटे में सकुशल दस्तयाब कर आरोपी गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। कोतवाली के नाबालिग बालिका को 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री को कई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 480/2026 अंतर्गत धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा ने थाना प्रभारी कोतवाली को बालिका की शीघ्र दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी कोतवाली निरी. रवि प्रताप सिंह चैहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए मात्र 04 घंटे के भीतर नाबालिग बालिका को ब्यावरा, जिला राजगढ़ से सकुशल दस्तयाब कर लिया। दस्तयाबी के उपरांत बालिका के कथन दर्ज किए गए, जिसमें उसने बताया कि राज खान पुत्र काले खान, निवासी पठार मोहल्ला, अशोकनगर उसे शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया तथा उसके साथ दुष्कृत किया। पीड़िता के कथनों के आधार पर प्रकरणों में इजाफा किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी राज खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नशे से दूरी है जरूरी: शहर के गणमान्य नागरिक, स्कूली छात्र और सामाजिक संस्थाएं आई आगे

हजारों हाथ आपस में जुड़े, मानव श्रृंखला तैयार कर सामाजिक जागरूकता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶
 अशोकनगर

नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 28 जुलाई 2026 को जिला अशोकनगर में नशे के विरुद्ध अभूतपूर्व जनसहभागिता का ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला।

पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन एवं गरिमायी उपस्थिति में आयोजित विशाल मानव श्रृंखला ने यह सिद्ध कर दिया कि जब पुलिस और समाज एक उद्देश्य के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होते हैं, तब सामाजिक परिवर्तन केवल कल्पना नहीं, बल्कि साकार वास्तविकता बन जाता है। कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश, एसडीओपी अशोकनगर विवेक शर्मा, एसडीओपी मुख्यालय ओमप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान में होमगार्ड सेनानी राघवेन्द्र शर्मा, यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष सिंह चैहान, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक नरेश रावत, थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चैहान, रक्षित निरीक्षक शिवमंगल लेोधी, निरीक्षक महिला सुरक्षा रितु सिंह



चैहान, रक्षित निरीक्षक अजीत लोधी, रक्षित निरीक्षक संतोष शर्मा, रक्षित निरीक्षक मोनिका जैन, अजाक थाना प्रभारी बृजमोहन रावत, उपनिरीक्षक अजीम अंसारी, उपनिरीक्षक मनीष गुर्जर, उपनिरीक्षक अपेक्षित रघुवंशी, डीसीओ एवं यातायात स्टाफ सहित समस्त पुलिस बल ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।



छात्राओं एवं शिक्षकों ने प्रेरणादायी सहभागिता की। साथ ही आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता, एनसीसी कैडेट्स, लार्सेस क्लब, रोटरी क्लब, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठन, मीडिया प्रतिनिधि,जनप्रतिनिधि, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, राजस्व विभाग, बैंकिंग संस्थान, ऑटो यूनियन, वन विभाग तथा जिले के लगभग 3000 जागरूक नागरिकों ने मानव श्रृंखला में शामिल होकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। अपने उद्बोधन में पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने कहा कि नशे के विरुद्ध यह संघर्ष केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि समाज, परिवार और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का प्रश्न है। पुलिस की वास्तविक सफलता तभी है, जब समाज स्वयं जागरूक होकर नशे जैसी बुराइयों के माध्यमिक विद्यालय पछाड़ीखेडा के छात्र-

मानव श्रृंखला बनाकर दिया जागरूकता का संदेश
 मुंगवाली। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित ज्घेशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत मंगलवार को मुंगवाली में विशाल जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बहादुरपुर रोड स्थित गणेश शंकर ताल परिसर से हुई जहां विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने एकत्रित होकर नशामुक्त समाज का संदेश देने के लिए जागरूकता रैली बिकाली रैली गणेश शंकर ताल से जय स्तंभ चैराहा होते हुए चंदेरी बायपास रोड तक पहुंची। इस दौरान जय स्तंभ चैराहे पर विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशे के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। लगभग 2 किलोमीटर लंबी रैली में विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने के नारे लगाए। कार्यक्रम में मां कॉन्वेंट स्कूल, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मॉडल स्कूल, टीएवी स्कूल, सेंट मैरीा स्कूल, इंदिरा प्रियदर्शिनी स्कूल एवं कृष्णा पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर एसडीओपी सनम बी. खान, नायब तहसीलदार अनीश धाकड़, नगर परिषद प्रतिनिधि नरेश ग्वाल, माापा मंडल अध्यक्ष नागेंद्र परिहार, बीईओ श्याम बिहारी शर्मा, ऑटो यूनियन मुंगावली के सदस्य सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। जिसमें 1500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

आजीविका मिशन के कार्यों को परखने पहुंचे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶
 अशोकनगर

मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल से सहायक राज्य परियोजना प्रबंधक संचार एवं जिला नोडल दिनेश दुबे द्वारा जिले में दो दिवसीय भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के सभी विकासखंडों में मिशन द्वारा किये जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया। चंदेरी के मां जागेश्वरी संकुल स्तरीय संगठन के ग्राम प्राणपुर, विकासखंड ईसागढ़ के नारी शक्ति संकुल स्तरीय संगठन के ग्राम अंकलेन के ग्राम नरसुखेड़ी, विकासखंड अशोक नगर के मां शक्ति संकुल स्तरीय संगठन आवरी के ग्राम कबीरा एवं विकासखंड मुंगावली के संगम संकुल स्तरीय संगठन अथाईखेड़ा अंतर्गत ग्राम बहादुरपुर का भ्रमण किया। इस दौरान दुबे द्वारा ग्राम में समूह सदस्यों द्वारा संचालित

आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया। साथ ही लखपति दीर्घियों के साथ संवाद किया गया। जिले में आयोजित मिशन स्टाफ समीक्षा बैठक के दौरान ग्रामों में समूह से जुड़ने हेतु छूटे हुये लक्षित परिवारों को समूह से जोड़ने, समूहों के बैंक खाता बैंक सखी के माध्यम से खुलवाया जाने, जिले में गठित सभी समूह की बैठक की फोटो सार्थक एवं अपलोड करना, एमटीसी में नियमित रूप से सभी शाखाओं के प्रशिक्षण आयोजित किए जाने एवं आजीविका उत्पादों की विक्रय हेतु रूकर मार्ट खोलने, अधिक से अधिक समूह सदस्यों को बैंक लिंकेज सीसीएल कराए जाने , लखपति दीदी योजना अंतर्गत पोर्टल में शत प्रतिशत प्रविष्ट एवं समूह सदस्यों को अन्य विभागों के साथ अभिसरण करा कर लाभ दिलाए जाने हेतु निर्देशित किया।



चौपाल में बच्चों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग चंद्रसेना भिड़े के नेतृत्व में जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों पर बाल चौपाल का नियमित आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में परियोजना ईसागढ़ के सेक्टर धुर्रा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र धुर्रा में बाल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर बाल चौपाल का विषय साफ-सफाई की समझा रखा गया, जिसके अंतर्गत बच्चों को दैनिक जीवन में व्यक्तिगत स्वच्छता, हाथ धोने की सही आदत, साफ कपड़े पहनने, नाखून एवं दांतों की सफाई तथा स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी गई। अभिभावकों को भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि नियमित साफ-सफाई



अपनाने से बच्चे अनेक संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही बच्चों में प्रारंभ से ही स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों का विकास करते के लिए प्रेरित किया गया।

देश की सुरक्षा केवल सैनिकों का ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी नैतिक दायित्व है: प्रोफेसर रत्नम

कारगिल विजय दिवस अदम्य साहस और अप्रतिम बलिदान की गाथा

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶
 अशोकनगर

शासकीय महाविद्यालय सहराई में कारगिल विजय दिवस के अंतर्गत आभाषी पटल पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय सेवा राोजन इकाई एवं हिंदी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मेजर सरस चंद त्रिपाठी (सेवा निवृत्त सेन्य अधिकारी प्रायगराज) सारस्वत वक्ता प्रोफेसर आनंद त्रिपाठी दूर शिक्षा निदेशालय हिंदी, अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्षा महाराष्ट्र संस्थापक सदस्य अखिल भारतीय राष्ट्रवादी लेखक संघ, अन्य सारस्वत वक्ता डॉ. अजय खेमरिया आयुक्त दिव्यांगजन भोपाल मध्य प्रदेश शासन रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता अरिंरिक्त संचालक उच्च शिक्षा ग्वालियर चम्बल संभाग ग्वालियर ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अंजु सिहारे एवं संरक्षक

प्राचार्य डॉ अतुल गुप्ता रहे। इस अवसर पर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया तथा राष्ट्रध्वज को नमन एवं राष्ट्रगान के साथ छात्राओं में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना का संचार किया गया। मेजर सरस त्रिपाठी ने अपने कारगिल युद्ध के अनुभव साझा किये। 26 मई को सरकार द्वारा सभी छुट्टी निरस्त करते हुए युद्ध की घोषणा कर दी ,इसके अलावा तीनों सेनाओं का अदम्य साहस और शौर्य युद्ध के अनुरूप पूर्वक समझाया, जिसके अंतर्गत वायु सेना ने पाकिस्तान के बंकर तबाह किए, लेजर बीम के द्वारा पाकिस्तानी आर्मी को ध्वस्त किया, इसके अलावा अपने साथी वीर जवानों जैसे कि कर्नल कालिया,ग्रुप कैप्टन नचिकेता

कारगिल विजय दिवस के अंतर्गत आभाषी पटल पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन



आदि को याद किया। प्रो.आनन्द पाटिल ने कहा कि केवल

सैनिक ही क्यों राष्ट्र के अपने प्राण नौछावर करें, हम और आप आम नागरिक क्यों

नहीं, हम सबका नैतिक दायित्व है राष्ट्रभक्ति का। अटल जी ने कहा था कि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, इसीलिए हम सबको सजग एवं सतर्क रहना चाहिए और अपने अधिकारों के साथ- साथ अपने कर्तव्यों का भी पूरी समानदारी और निष्ठा पूर्वक निर्वहन करना चाहिए। प्रोफेसर कुमार रत्नम ने कहा कि देश की सुरक्षा केवल सैनिकों का ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी नैतिक दायित्व है। युवाओं को राष्ट्रहित के प्रति सदैव जागरूक एवं उत्तरदायी रहना चाहिए।“गाथा का कि वीरो की होती है,मेजर बत्रा को याद करते हुए उनके युद्ध कौशल को सराहा, भारत शांति का पुजारी है लेकिन यदि कोई हमारी मातृ भूमि पर गलत नियत डालेगा तो हम आँखों में आँख डालकर बात करेंगे, झुकेंगे नहीं।

विद्यार्थी अर्थात जेन-जी को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता, अखंडता एवं संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अतुल गुप्ता ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक दिवस नहीं, बल्कि भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, अनुशासन, राष्ट्रनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का अमर प्रतीक है। वर्ष 1999 में कठिनतम परिस्थितियों में भारतीय सेना ने अपने अद्वितीय पराक्रम से विजय प्राप्त कर सम्पूर्ण विश्व के समक्ष भारत की शक्ति और संकल्प का परिचय दिया। युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, सेवा एवं समर्पण की भावना विकसित करना ही ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ अंजु सिहारे ने कार्यक्रम का संचालन किया।